वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 254 गुरुवार 11 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में 40 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर

गहलोत के प्रमुख सचिव रहे रांका सामाजिक न्याय के पीएस; अखिल अरोड़ा के पास वित्त विभाग बरकरार

जयपुर. कासं

भजनलाल सरकार ने दूसरा बड़ा फेरबदल करते हुए 40 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया गया है। इसमें सुबोध अग्रवाल को जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) से इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के अध्यक्ष के तौर पर पोस्टिंग दी हैं। वहीं, अभय कुमार को एसीएस जलसंधान विभाग के पद पर लगाया है। पूर्व सीएम गहलोत के प्रमुख सचिव रहे कुलदीप रांका को एसीएस सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग में लगाया गया है। गहलोत सरकार वित्त विभाग संभालते रहे अखिल अरोड़ा को भजनलाल सरकार में भी यही विभाग संभालने की जिम्मेदारी दी गई है।

संदेश नायक सीएम के विशिष्ट सचिव, टी रविकांत को सीएम के प्रमुख सचिव का अतिरिक्त चार्ज

राजफैड के एमडी संदेश नायक को सीएम के विशिष्ट सचिव के पद पर लगाया है। सीएम के प्रमुख सचिव के पद पर अभी स्थायी पोस्टिंग होना बाकी है। टी रविकांत को सीएम के प्रमुख सचिव का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। अखिल अरोड़ा एसीएस वित्त, आबकारी और टैक्सेशन में बरकरार हैं, उनसे आईटी और डीआईपीआर विभाग ले लिए गए हैं। अपर्णा अरोड़ा को एसीएस देवस्थान और उपनिवेशन के पद पर बरकरार रखा है, उनसे सैनिक कल्याण और देवस्थान वापस लिया गया है। एसीएस

आनंद कुमार के पास गृह, होम गार्ड, जेल, एसीबी बरकरार रखा है। उन्हें परिवहन विभाग और रोडवेज की जगह आपदा प्रबंधन दिया है। संदीप वर्मा को एसीएस विज्ञान और प्रोद्योगिकी विभाग से पीडब्ल्यूडी में एसीएस लगाया गया है। श्रेया गुहा परिवहन विभाग की एसीएस होंगी। सीएस सुधांश पंत से सीनियर सुबोध अग्रवाल को सचिवालय से बाहर भेजा गया है। मुख्य सचिव से सीनियर अधिकारी को सचिवालय के बाहर देने की परंपरा रही है। सुबोध अग्रवाल पिछली कांग्रेस सरकार में अहम पदों पर रहे थे। उनके पास खान, पीएचईडी जैसे विभाग थे।

टी रविकांत यूडीएच के प्रमुख सचिव, मंजू राजपाल जेडीसी

टी रविकांत को मेडिकल से नगरीय विकास और आवासन विभाग के प्रमुख सचिव के पद पर पोस्टिंग दी है। मंजू राजपाल जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की आयुक्त बनाई गई है। ग्रामीण विकास के सचिव से उनका तबादला जेडीए आयुक्त के पद पर किया गया है। मंजू राजपाल जयपुर विकास प्राधिकरण जेडीए की आयुक्त् बनाई गई है। ग्रामीण विकरास के सचिव से उनका तबादला जेडीए आयुक्त के पद पर किया गया है।

22 जनवरी को नगर निगम ग्रेटर की छुट्टी

उस दिन कर्मचारी-अधिकारी केवल रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी में जुटेंगे

जयपुर. कासं। अयोध्या में 22 जनवरी को आयोजित होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के मौके पर नगर निगम ग्रेटर में छुट्टी रहेगी। इस दिन अधिकारी-कर्मचारी पूरे शहर में सजावट और दीपोत्सव के काम में जुटेंगे। इसके चलते आमजन से जुड़े काम नहीं होंगे। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर ने आज व्यापार मंडल के पदाधिकारियों संग हुई बैठक के बाद इसका एलान किया। मेयर ने बताया कि 22 जनवरी का दिन बहुत खास है। सभी तो अयोध्या तो नहीं जा सकते इसलिए जयपुर को राममय मनाने के लिए अयोध्या जैसी तैयारियां यहां भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूरे शहर में 5 लाख दीपक जलाने, अस्थायी रोशनी करने, रंगोली करने का काम किया जाएगा। इस दिन बड़े स्तर पर दीपोत्सव मनाया जाएगा। बाजार में अच्छी सजावटी हो, पूरा शहर जगमग हो इसके लिए नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी पूरे दिन इसी काम में जुटे रहेंगे। इसे देखते हुए उस दिन नगर निगम ग्रेटर में छुट्टी रहेगी। इस मौके पर महापौर ने कहा कि हैरिटेज की तर्ज पर ग्रेटर क्षेत्र में भी मीट की दुकानें है 22 जनवरी को बंद रखने का एलान किया है। मेयर ने कहा कि इसमें सभी व्यापार मंडल भी सहयोग दे और जयपुर शहर में उस दिन ज्यादा से ज्यादा अस्थायी रोशनी करके शहर को जगमग करें।

इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट सम्मेलन आज से

एडवांस टेक्नोलॉजी, ट्रीटमेंट और मेडिसिन पर शेयर करेंगे एक्सपीरियंस; देश-विदेश के 400 से ज्यादा डॉक्टर्स जुटेंगे

जयपुर. कासं। इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर) का 24वां वार्षिक सम्मेलन 11 जनवरी से जयपुर में होगा। दिल्ली रोड स्थित फेयरमाउंट होटल में होने वाली इस मेडिकल सेमिनार में 23 देशों से 400 से ज्यादा इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट शामिल होंगे। ये डॉक्टर्स इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के क्षेत्र में आई एडवांस टेक्नोलॉजी, नए ट्रीटमेंट और मेडिसिन के बारे में एक-

दूसरे से जानकारी और एक्सपीरीयंस शेयर करेंगे। इसके लिए सेमिनार में 10 से ज्यादा टॉक सेशंस और वर्कशॉप रखी गई हैं। आईएसवीआईआर के अध्यक्ष डॉ.सुयश कुलकर्णी ने बताया कि इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी कैंसर, प्रोस्टेस्ट समेत अन्य बीमारियों के इलाज में सुगम बनाती है। इस ट्रीटमेंट तकनीक में मरीज के शरीर में पिनहोल के जरिए पूरा प्रोसेस किया जाता है, जिसमें ब्लड लॉस भी नहीं होता और मरीज को डे-केयर में छुट्टी दी जाती है। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी तकनीकों में कार्डियोवस्कुलर, हेपाटो-पित्त, जेनिटो-मूत्र, न्यूरोलॉजिकल, पेट और मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम शामिल हैं। डॉ. कुलकर्णी ने बताया कि सेमिनार में दुनियाभर से शीर्ष इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट भाग ले रहे हैं। यूएसए से आ रहे डॉ. मैक्सिम इटकिन लिम्फैंगियोग्राफी और प्रोटीन खोने वाली एंटरोपैथी के उपचार में आईआर की बढ़ती भूमिका पर अपने विचार रखेंगे।

राममंदिर अक्षत कलशयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बे में बुधवार को हिंदूवादी संगठनों सहित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व क्षेत्रवासियों ने अक्षत कलश यात्रा गंभीर नदी तट स्थित वाटिका से देवनारायण मंदिर तक निकाली गई । अक्षत कलश का वैदिक परंपरा से पूजन किया। क्षेत्र के सेकड़ो महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण पर नगर परिक्रमा की । अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से पहले अक्षत कलश यात्रा निकाली जा रही है। जिसमें अक्षत कलश के दर्शन, उसकी पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। अक्षत कलश से बंधे कलावे को छूकर भक्त प्रभु राम के प्रति अपना नमन प्रस्तुत कर रहे हैं। कस्बा सहित आसपास के गाँवो के हिंदूवादी संगठनों और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व क्षेत्रवासियों ने अक्षत कलश यात्रा गंभीर नदी स्थित वाटिका से शुरू होकर मुख्य बाजार बालाजी मंदिर राममंदिर होती हुई देवनारायण मंदिर पहुँची इससे पूर्व श्रीराम की ध्वजा फहराकर यात्रा का शुभारंभ किया। आरएसएस पदाधिकारियों ने संतों का फूलमाला से स्वागत किया। अक्षत कलश यात्रा में महिला, पुरुष, बच्चे निकल पड़े। यात्रा में कई तरह के बैण्ड, झांकियां थीं। यात्रा में भव्य अयोध्या मंदिर की झांकी देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। जब कलश यात्रा मुख्य बाजार में आई, रामभक्त मंडल के ओमप्रकाश गर्ग ,संजय गोयल नरेंद्र रिंकू आदि लोगों ने फूल बरसा कर स्वागत किया। फूलों से मुख्य बाजार की सड़क अट तक गई। लोगों ने कलश यात्रा में जलपान, फल, मिष्ठान आदि वितरित किया। जगह-जगह लोगों ने अक्षत-कलश की पूजा अर्चना की। लोगों ने रंग गुलाल उड़ाकर और फूल माला पहनाकर स्वागत किया। शोभा यात्रा में महिलाएं बैंड के साथ श्री राम के भजनों पर थिरकती नजर आईं। शोभा यात्रा में पुलिस ने सुरक्षा की मुस्तैदी से कमान संभाल रखी थी। अंत मे देवनारायण मंदिर पर कलश यात्रा धर्मसभा में परिवर्तित हुई जिसमें विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने सभ को संबोधित कर 500 वर्ष के इंतजार के बाद बन रहे राममंदिर पर हर्ष जताया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा ऐलनाबाद पहुंची

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। भारत सरकार की विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भारत संकल्प यात्रा ऐलनाबाद विधानसभा ढाणी लख जी में पहुंची जिनका स्वागत ढाणी बच्चन सिंह के सरपंच मलूक सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवीर ,उपाध्यक्ष रवि लड्डा, महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष देवेंद्र गोयल व सभी ग्राम वासियों ने मिलकर स्वागत किया इस कार्यक्रम में उज्वला योजना के तहत लाभ पात्रों को मुफ्त गैस सिलेंडर ,गैस चूल्हा दिया गया विभिन्न विभागों की स्टाल लगी हुई थी आयुष्मान कार्ड, पीपीपी ,पेंशन, राशन कार्ड, बैंक संबंधित योजनाएं रोजगार के लिए, स्वास्थ विभाग की तरफ से जांच केंद्र, जरूरतमंद लोगों को फ्री में दवाई दी गई ग्रामीण वासियों की समस्याओं को मौके पर हल करवाने का प्रयास किया गया । सरकार की योजना का लाभ लेने से वंचित रहे लोगों को लाभान्वित करने में विकसित भारत संकल्प यात्रा वरदान साबित हो रही है सरकार अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासत है । लाभार्थियों ने सरकार को गरीब हितेषी बताते हुए सरकारी योजना व सेवाओं का लाभ देने के लिए आभार व्यक्त किया ।

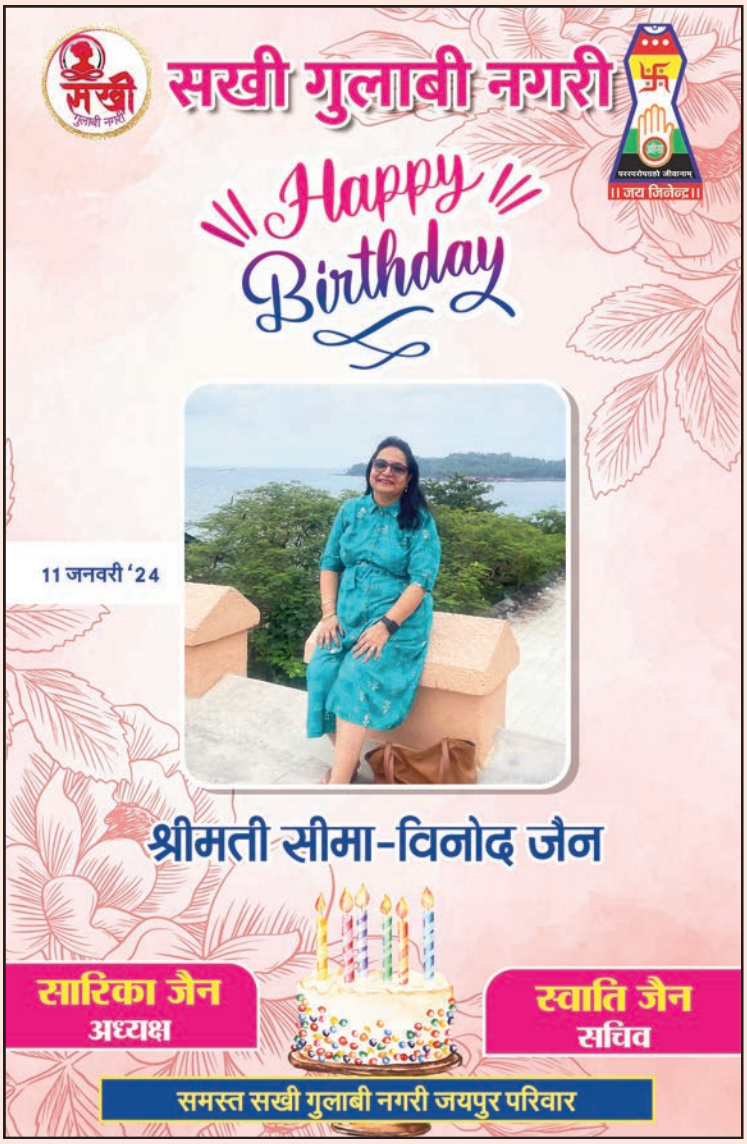

सिंगापुर में किया अहिंसक आहार का प्रचार

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म जागृति संस्थान राजस्थान के जयपुर से गये यात्रा दल द्वारा सिंगापुर में अहिंसक आहार का प्रचार प्रसार किया गया । प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य वसुनंदी महा मुनिराज द्वारा भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष को अहिंसक आहार वर्ष घोषित किया गया है । इसी क्रम में उअ पारस जैन बिलाला के नेतृत्व में सिंगापुर गये यात्रा दल ने आठ दिन के प्रवास में सिंगापुर में कई स्थानों पर अहिंसक आहार के पम्पलेट वितरित किए जिनमे रात्रि भोजन, जंक फूड, मांस मदिरा, जमिकन्द, तम्बाकू - ड्रग्स आदि के त्याग के महत्व का विवरण अंकित है। यात्रा दल में अजय जैन, दीपिका जैन, आदिश्री जैन, आदित बिलाला, शशि जैन, सोनू जैन, विमल जैन आदि सम्मिलित है। यात्रा दल की 12 जनवरी को वापसी होगी।

समालोचनात्मक-पक्ष

12वीं फेल की आशा, सूरज न बन पाए तो लैंप बनें

जयपुर. शाबाश इंडिया। 12वीं फेल मूवी आईपीएस मनोज शर्मा और आईआरएस श्रद्धा जोशी की वास्तविक जीवन प्रेम कहानी है। यह कहानी प्यार, हिम्मत, साथ और विश्वास की है। स्कूल के दिनों से असफल होने वाले इस लड़के ने कभी हार नहीं मानी जिंदगी में आगे बढ़ने और अपनी मोहब्बत को हासिल करने के लिए इनको जो भी करना पड़ा उन्होंने किया और आईपीएस बन गये। ऐसे समय में जब हमारी फिल्मों का नैतिक स्तर गिर चुका है, एक प्रेरणादायक कहानी आती है जो सच्चाई से सार्वजनिक और निजी जीवन में ईमानदारी का जश्न मनाती है। फिल्म निमार्ता विधु विनोद चोपड़ा ने दशार्या कि कैसे गाँव की मिट्टी का एक योग्य पुत्र गरीबी और भ्रष्टाचार पर विजय प्राप्त कर सबसे कठिन परीक्षा देता है। लहजा थोड़ा उपदेशात्मक है और बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया गया है, लेकिन यह एक बड़े दिल वाली फिल्म है जो मानवीय अच्छाई के संदेश के साथ आपको कसकर गले लगा लेती है। **-प्रियंका सौरभ**

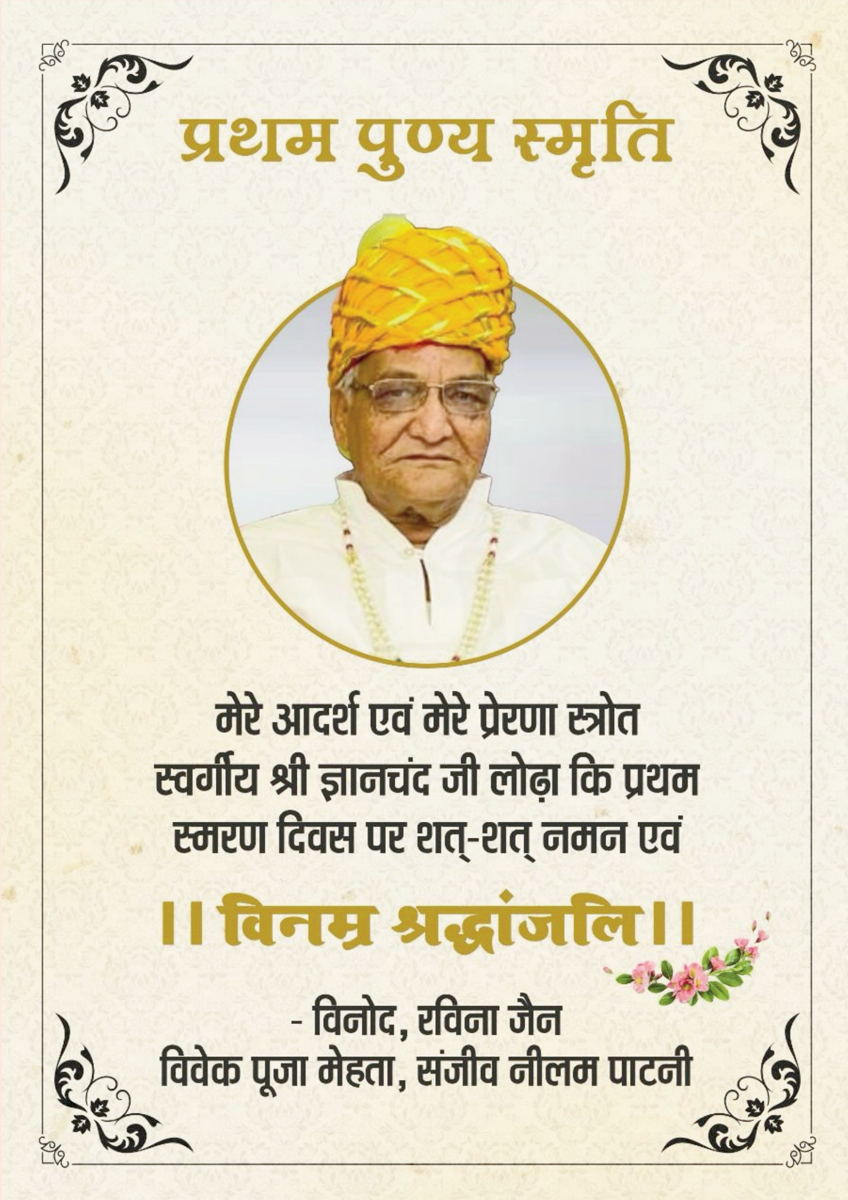

वेद ज्ञान

जीवन में अंधेरे को मिटाना होगा तभी आनंद की प्राप्ति होगी

कुदरत में प्रतिदिन अंधेरे व उजाले का अहसास होता रहता है। कभी अंधेरा होता है तो कभी उजाले के पल नसीब होते हैं, लेकिन ये दोनों ही पल प्रतिदिन प्राप्त होते रहते हैं। इसी प्रकार से मनुष्य के जीवन में भी अंधेरे व उजाले दोनों के ही पल आते और जाते रहते हैं, लेकिन जीवन के अंधेरे व उजाले के पल कुछ भिन्न होते हैं। इनमें कभी लंबे समय तक अंधेरा रहता है तो कभी उजाला। उजाला तो उल्लास व उमंग के साथ व्यतीत होता रहता है, किंतु अंधेरे के पलों का सामना करना ही पड़ता है, जिसके लिए माध्यम तलाशना पड़ता है। रोशनी के समान माध्यम मिलने पर यह दूर होता रहता है, अन्यथा जीवन कष्टकारी हो जाता है। ऐसी स्थिति में धैर्य की आवश्यकता होती है। धैर्य न होने पर जीवन का अंधेरा गहरा होने लगता है और यही दशा लोगों को ग्रह खराब होने का अहसास कराती है, जबकि यह तो ईश्वरी व्यवस्था है जिसमें अंधेरे व उजाले दोनों का ही अहसास होता रहता है। जीवन में अंधेरे के पलों का दूर न हो पाना वास्तव में धैर्य की परीक्षा है। धैर्य की परीक्षा में जो पास हो जाता है, उन्हें उजाला आने पर इतना आनंद प्राप्त होता है जिससे वह अंधेरे के पलों के कष्टों को भूल जाता है, लेकिन जो धैर्य की परीक्षा में फेल हो जाता है उनके जीवन का अंधेरा प्रबल होने लगता है जिससे सकारात्मक ऊर्जा की मात्रा कम होने लगती है और नकारात्मक ऊर्जा का स्तर बढ़ने लगता है। नकारात्मक ऊर्जा का बढ़ा हुआ स्तर धैर्य की परीक्षा को आगे भी पास नहीं होने देता है। इस कारण नकारात्मक ऊर्जा का स्तर और भी बढ़ जाता है जो धैर्य की परीक्षा को कभी भी पास नहीं होने देता जिससे अंधेरे के पल बढ़ते ही जाते हैं। अंधेरे के पल बढ़ने से उजाले के पलों का कम होना स्वाभाविक है। मस्तिष्क में नकारात्मक ऊर्जा जैसे-जैसे बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति की समझ का दायरा संकुचित होता जाता है और एक स्थिति ऐसी भी आती है जब व्यक्ति दूसरों के इशारे पर चलने लगता है। नकारात्मक ऊर्जा के स्तर को कम करने का मात्र एक ही उपाय है और वह उपाय आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति है, जिससे जीवन में पहले की ही तरह उजाले व अंधेरे का प्राकृतिक अहसास स्वाभाविक रूप से होना प्रारंभ हो जाता है।

संपादकीय

वाणिज्यिक पोतों के आवागमन पर मंडरा रहा संकट

लाल सागर में स्वेज नहर के जरिये वाणिज्यिक पोतों के आवागमन पर मंडरा रहे संकट समाप्त होने का कोई संकेत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। यह भूमध्यसागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र को जोड़ने वाला एक अहम मार्ग है और गाजा पट्टी तथा उसके आसपास के इलाके में इजरायल-हमास जंग के कारण इसे लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। युद्ध के परिणामस्वरूप यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोही गठजोड़ ने यमन और जिबूती के बीच बाब-अल-मांदेब खाड़ी में नौवहन पर हमले शुरू कर दिए। विद्रोही गठबंधन आश्चर्यजनक रूप से हथियारों से अच्छी तरह लैस है। उसने पोतरोधी बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। इससे पहले किसी लड़ाई में इतनी बड़ी तादाद में इनका इस्तेमाल नहीं किया गया था। इनके साथ ही विद्रोहियों ने क्रूज मिसाइलों, ड्रोन और छोटी नौकाओं का उपयोग करके भी जहाजों पर हमला किया और उन्हें धमकाया। हूती विद्रोहियों का दावा है कि उन्होंने इजरायल की ओर जा रहे पोतों पर हमले किए लेकिन वास्तव में यह सच नहीं है। यह संभव ही नहीं है कि वे जान सकें कि कौन सा जहाज किस दिशा में जा रहा है। इन हमलों के परिणामस्वरूप कई प्रमुख पोत संचालकों ने स्वेज नहर और लाल सागर का मार्ग छोड़ देने का निर्णय लिया। इन पोत संचालक कंपनियों में मेर्स्क, हपाग-लॉयड और मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी तथा कुछ प्रमुख तेल कंपनियां शामिल हैं। कुछ दिन पहले मेर्स्क ने इस बात की पुष्टि की थी कि उसके टैंकर निकट भविष्य में इस क्षेत्र से नहीं गुजरेंगे। ऐसी अपेक्षाएं थीं कि मेर्स्क तथा अन्य कंपनियां सामान्य सेवाएं बहाल कर देंगी क्योंकि अमेरिका ने घोषणा की थी कि एक नौसैनिक कार्य बल इस इलाके में जलपोतों की सुरक्षा करेगा। परंतु यह कार्य बल जमीन पर प्रभावी असर छोड़ने में नाकाम रहा और इसके चलते पोत संचालकों ने किफायत के बजाय सावधानी बरतने को अधिक तरजीह दी। ऐसे निर्णयों के परिणामस्वरूप भूमध्यसागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के बीच नौवहन में लगने वाला समय और व्यय बहुत अधिक बढ़ गया है। तमाम पोत अपनी यात्राओं को स्थगित कर रहे हैं और अगर उन्हें यात्रा करनी ही पड़ रही है तो वे दक्षिण अफ्रीका में आशा अंतरीप (केप ऑफ गुड होप) के रास्ते से आवागमन कर रहे हैं। भारत के औद्योगिक संगठनों के हालिया अनुमानों के मुताबिक यूरोप तक पोत भेजने की लागत 70 फीसदी से 200 फीसदी तक बढ़ गई है। विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में भारत के निर्यात की बात करें तो इसका असर उनके मार्जिन और उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता पर पड़ सकता है। भारत के पूर्वी तटों में से एक से निकला डीजल और जेट फ्यूल कार्गो पोत पहले ही विलंब से चल रहा है और उसकी दिशा बदल दी गई है। अन्य वैश्विक एकीकरण वाले क्षेत्रों पर भी असर पड़ सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और साथ ही 2023-24 में भारत की अप्रत्याशित रूप से मजबूत वृद्धि के लिए भी लाल सागर के हालात निकट भविष्य में सर्वाधिक अनिश्चितता वाले हालात बने रहने वाले हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

मालदीव की राह...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बाद मालदीव के मंत्रियों ने उनके विरुद्ध जैसी अपमानजनक टिप्पणियां कीं, उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में खटास पैदा होनी ही थी। वास्तव में यह खटास पैदा होनी तभी शुरू हो गई थी, जब मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव का राष्ट्रपति बनते ही भारत से दूरी बढ़ानी शुरू कर दी थी। चूंकि मुइज्जू ने भारतीय सैनिकों को मालदीव से बाहर करने के मुद्दे पर चुनाव लड़ा था, इसलिए यह तय था कि यदि वह राष्ट्रपति बनते हैं तो चीन की गोद में बैठना पसंद करेंगे। अंततः ऐसा ही हुआ। उन्होंने भारत से पहले चीन की यात्रा करना तो आवश्यक समझा ही, भारतीय सैनिकों को मालदीव से हटाने पर भी जोर दिया। मालदीव में महज 75 भारतीय सैनिक हैं। ये वहां इसलिए हैं, ताकि भारत की ओर से दिए गए हेलीकाप्टरों का संचालन कर सकें। इसके बाद भी मुइज्जू ने ऐसा दर्शाया, जैसे भारत ने उनके देश में सैनिकों की कोई बड़ी खेप तैनात कर रखी है। चूंकि वह भारत विरोधी भावनाओं को उभार रहे थे, इसलिए उनके सहयोगी भी उसी रास्ते पर चल रहे थे। उनके तीन मंत्रियों ने तब अपनी हदें पार कर दीं, जब भारतीय प्रधानमंत्री लक्षद्वीप की यात्रा पर गए। भारतीय प्रधानमंत्री ने हाल की अपनी लक्षद्वीप यात्रा में ऐसा कुछ नहीं कहा, जो मालदीव के खिलाफ हो, लेकिन पता नहीं कैसे वहां के तीन तीनों मंत्रियों ने ऐसा ही समझ लिया। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री के साथ भारत को भी नीचा दिखाने वाली भद्दी टिप्पणियां कीं। स्वाभाविक रूप से भारतीयों ने इसे अपने अपमान के रूप में लिया और पर्यटन के लिए मालदीव न जाने का अभियान छेड़ दिया। चूंकि अन्य देशों के मुकाबले भारत से सबसे अधिक पर्यटक मालदीव जाते हैं, इसलिए मोइज्जू को यह पता चल गया कि उनके पर्यटन उद्योग को बड़ी क्षति पहुंचने वाली है। भले ही उन्होंने अपने तीनों बदजुबान मंत्रियों को निलंबित कर दिया हो, लेकिन इससे क्षति की भरपाई होती नहीं दिखती। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि वह अपनी चीनपरस्ती का खुलकर परिचय दे रहे हैं। मुइज्जू की बीजिंग यात्रा के मौके पर चीन ने जिस तरह यह सफाई दी कि वह मालदीव को भारत के खिलाफ नहीं उकसा रहा, उससे यही पता चलता है कि वह ऐसा ही कर रहा है। यदि वह मोइज्जू के सहारे मालदीव को भारत के खिलाफ अपना मोहरा नहीं बना रहा तो उसे इस तरह की सफाई देने की जरूरत क्या थी? इसके पहले भी मालदीव के शासक अपने संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति के लिए चीन की तरफदारी करते हुए भारत का विरोध करते रहे हैं। मोइज्जू भी ऐसा ही कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर तरह के संकट के समय भारत ने ही मालदीव की मदद की है।

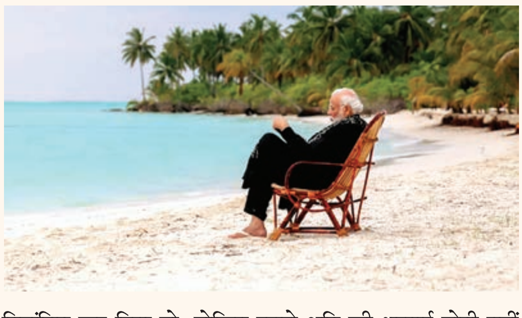

जे एस जी राजधानी का पतंगोत्सव उमंग व उल्लास के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप राजधानी का पतंग उत्सव बड़े धूमधाम से श्री खंडेलवाल वैश्य धर्मशाला में मनाया गया। ग्रुप अध्यक्ष प्रकाश -लीला अजमेरा ने बताया कि उपस्थित सदस्यों ने पतंगो के साथ कई रोचक खेल कूद का भी आनंद लिया। सचिवः पवन-रीता पाटनी ने बताया कि सांयकाल स्वादिष्ट भोजन के पश्चात ग्रुप के सह सचिव राजेंद्र -जयश्री पाटनी द्वारा निर्मित आर्कषक हाउजी में सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया। हाउजी व खेल कूद के पुरस्कार ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील-आरती पाहाडिया व सदस्य अरिहंत-गुणिमा पाहाडिया द्वारा दिये गये। ग्रुप के उपाध्यक्ष दिलीप -नमिता टकसाली ने सभी सदस्यों को पंतग व लालटेन उपहार स्वरूप वितरित किये। अंत मे गजक मूंगफली के साथ ग्रुप के कोषाध्यक्ष अशोक -सुमन बिलाला ने सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

भक्ति में चमत्कारी शक्ति होती है : आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुंसी (राज.) की पावन धरा पर विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने श्रद्धालुओं को उपदेश देते हुए कहा कि - भक्ति भक्त को भगवान बना देती है। भक्ति क्रियाओं में नहीं भावों में भी होना चाहिये। हम क्रिया से अभिषेक, पूजन तो करते हैं परंतु भावों का पता नहीं चलता ।पानी में जैसे शक्कर मिल जाती है तो मिठास आती है । वैसे ही भक्ति में श्रद्धा रूपी शक्कर मिल जाये तो मिठास रूपी चमत्कारी शक्ति प्रदर्शित होने लगती है। श्री शांतिनाथ चैत्यालय में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य अरविंद जी ककोड़, हितेश छाबड़ा एवं शैलेन्द्र संघी निवाई ने प्राप्त किया। चतुर्दशी पर्व के अवसर पर माताजी ने रस परित्याग नामक तप धारण कर निरन्तराय आहार ग्रहण किये।उनकी त्याग - तपस्या को देखकर श्रावकगण लाभान्वित एवं प्रभावित होकर अपने मोक्षमार्ग को प्रशस्त कर रहे हैं ।

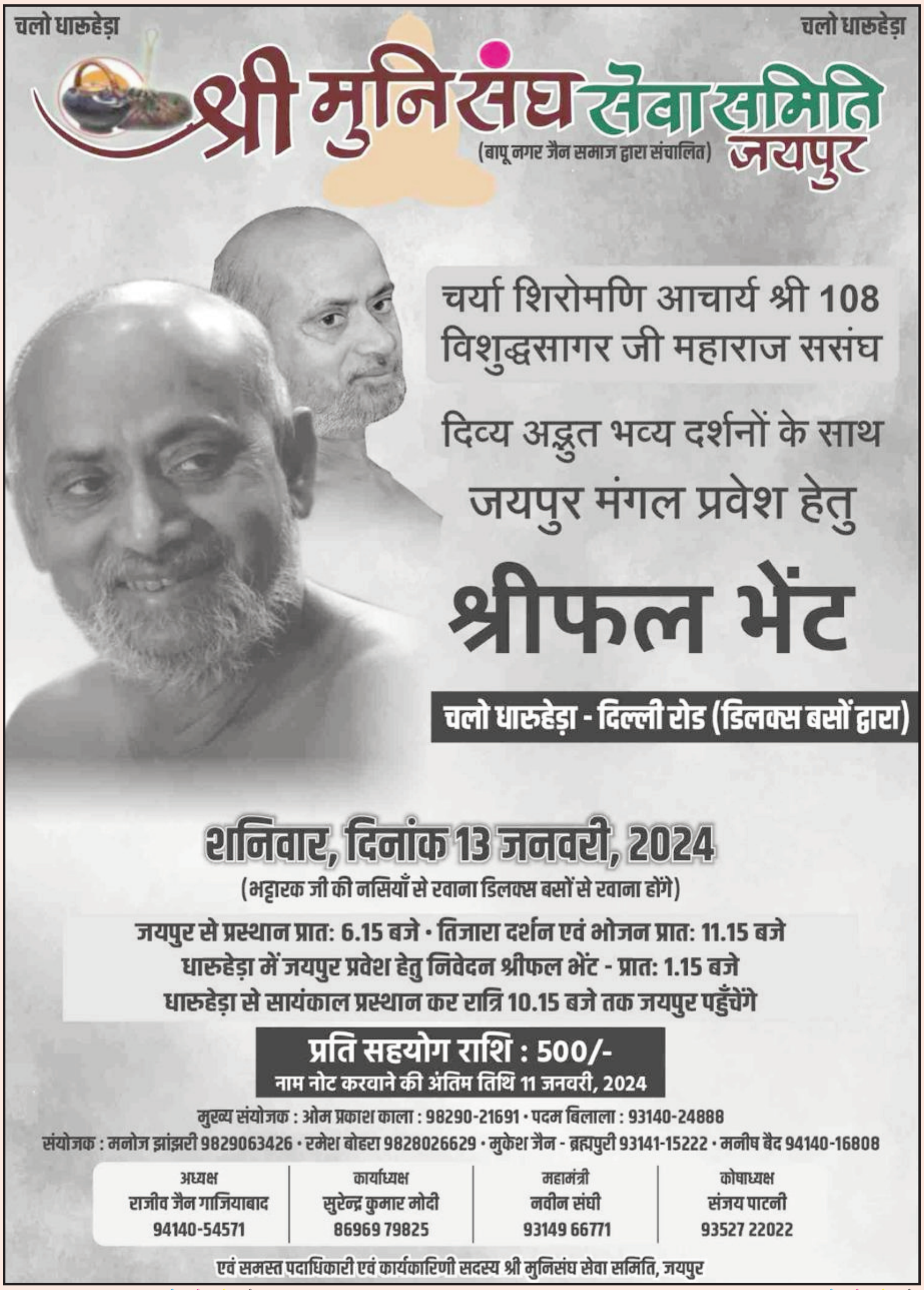

|| श्री श्री श्री 1008 पार्श्वनाथाय नमः ||

||आनन्दोत्सव||

वात्सल्य रत्नाकर
परम पूज्य आचार्य 108 श्री विमल सागर जी मुनिराज
के अतिशय से अनुप्राणित

श्री क्षेत्र गुरु शरणं

का

भव्य भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह

पौष शुक्ल पूर्णमासी
गुरूवार, 25 जनवरी, 2024 • मध्याह्न 1.15 बजे

पूज्य उपाध्याय 108 श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज

की पावन प्रेरणा से
विधानाचार्य पण्डित श्री मुकेश जी शास्त्री 'मधुर' एवं
वास्तुविद श्री राजकुमार जी कोठ्यारी के मार्गदर्शन में
'श्री समाज' की उपस्थिती में होने जा रहा है,
जिसमे आप सभी सपरिवार इष्ट मित्रो सहित सादर निमंत्रित है.

: स्थान :
जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग,
ग्राम भण्डाना, जिला-दौसा (राजस्थान) 303303

निवेदक

वात्सल्य रत्नाकर AVS FOUNDATION
FOR BETTER HEALTH & EDUCATION
ए वी एस फाउण्डेशन (रजि.)

ताराचंद जैन 'स्वीट कैटर्स'
अध्यक्ष
एवं समस्त न्यासीगण

विनीत : अखिल भारतीय दिगम्बर जैन समाज

बोझ तले पिसता बचपन

विजय गर्ग

बच्चों के जीवन की व्यस्तता देख मन व्यथित होना स्वाभाविक है। छह घंटे स्कूल, दो घंटे ट्यूशन, आठ घंटे नींद और कम से कम चार से पांच घंटे तक गृह कार्य और ट्यूशन का काम बच्चा कब खेले, अपने हमउम्र बच्चों से कब मिले इस पर समाज और विद्यालय मौन हैं। दोष सिर्फ विद्यालयों का नहीं है। विद्यालयों पर अभिभावकों का एक छद्म दबाव है कि दूसरे विद्यालय में तो कक्षा एक का विद्यार्थी अमुक चीजें जानता है, तो बच्चों के विद्यालय में भी उतनी ही जानकारी दी जानी चाहिए। प्रतिस्पर्धा का युग है, इसलिए सभी विद्यालयों के लिए ऐसा करना अत्यावश्यक है। दरअसल, अभिभावक चाहते ही नहीं कि बच्चा खेले, कूदे। छोटे घर हैं- खेलेगा तो तोड़फोड़ हो सकती है। साथ ही अभिभावक चाहते हैं कि खेल के नाम पर बच्चे ऐसे तथाकथित खेल खेलें, जिनके नेपथ्य में पढ़ाई छिपी हुई हो। जैसे नक्शा बनाना, स्क्रैबल खेलकर अंग्रेजी शब्द सीखना आदि। बच्चे के मनोरंजन और खेलने के अधिकार को माता-पिता ने मानो छीन लिया है। बच्चों का अपने हमउम्र बच्चों के साथ खेलना अत्यावश्यक है और व्यक्तित्व के समग्र विकास की रीढ़ यही है। विविध शोध भी यही दशार्ते हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने तीन से सात साल तक के सत्रह सौ बच्चों पर शोध करके यह निष्कर्ष निकाला है कि जो बच्चे अपने हमउम्र बच्चों के साथ खेलते हैं, उनका मानसिक और शारीरिक विकास ज्यादा अच्छा होता है। इसके विपरीत भारत में बच्चों को स्कूल से छुट्टी दिलवाना, स्कूल शिक्षक से गृहकार्य मंगवाना और ट्यूशन शिक्षक से उसे पूर्ण करवा देना एक सामान्य बात है। अब ऐसे बच्चे का मानसिक विकास हो पाना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि उसने स्कूल जाकर अनुशासन, प्रेम, टीम बनाने, मानव व्यवहार जैसे गुण तो सीखे ही नहीं एक शोध के अनुसार, बच्चे के स्कूल जाने और सामूहिक खेल खेलने से स्वस्थ मानसिक स्वास्थ्य की नींव पड़ती है। एक अन्य शोध के मुताबिक, एक साथ खेल खेलने से बच्चों में देने का भाव जागृत होता है, अनुशासन बढ़ता है और आपसी प्रेम और सकारात्मकता बढ़ती है। बच्चों को सर्वगुणसंपन्न बनाने के चक्कर में अभिभावक अति कठोर रूप धारण कर बैठे प्रतीत होते हैं। उन्हें बच्चों का खेलना-कूदना शायद रास नहीं आ रहा। अति महत्त्वाकांक्षा के चलते बच्चों की समस्त सर्जनात्मक शक्ति छीन-सी ली गई है। आज माता और 'पिता, दोनों ही कमाने के लिए बाहर जा रहे हैं ऐसे में कई बार अभिभावकों की चाहे अनचाहे उपेक्षा बच्चे को पीड़ित कर रही है। इसकी एक बड़ी वजह है अभिभावकों का अत्यधिक धन, सत्ता और संपन्नता के प्रति बेलगाम आकर्षण। इसके अलावा, अभिभावक के रूप में क्रोध को नियंत्रित न कर पाना आज के युग की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। क्रोध का स्तर इतना ज्यादा हो चला है, मानो संतान की एक गलती से समूचे विश्व में अशांति और उन्माद होकर विश्व युद्ध होने वाला हो। मुसीबत यह है कि अब संयुक्त परिवारों के हाशिये पर चले जाने के कारण जो अनुभव बच्चा अपने दादा, काका, मामा आदि से सीखता था, वह खो रहा है। माता-पिता को पैसा कमाने, दफ्तर की राजनीति से उलझने से ही फुर्सत नहीं है। कई यह चाहते हैं कि बच्चा 'उठ कहें तो उठे और बैठ कहें तो बैठे' के सिद्धांत के तहत जिए। यह नामुमकिन है। बच्चे की जिज्ञासा को शांत करने के बजाय उसे दंडित करना क्या उचित कहा जा सकता है? बच्चे के खेलने-कूदने या उत्पात मचाने पर क्रोध करने से पहले अभिभावकों को बच्चों के तीन महत्त्वपूर्ण गुणों को समझना चाहिए। बच्चे का पहला गुण है उसका त्वरित प्रतिक्रिया देने वाला होना। वह जिद करेगा। वह प्रतिक्रिया भी देगा। सीधी सपाट बात भी कहेगा। बच्चा चरित प्रतिक्रिया के लिए ही जाना जाता है जैसे उसे प्यास लगी है तो उसे तुरंत पानी चाहिए। बच्चा यह नहीं सोचता कि हम उस पल गाड़ी चला रहे हैं। उसे बस पानी चाहिए। अब हमें सोचना है कि उसकी असीम ऊर्जा को देशा कैसे दी जाए। दूसरा गुण है जो अभिभावक बोलेंगे, जैसा अभिभावक करेंगे, वह वैसा ही करेगा। बच्चा अभिभावकों का अक्स है। बच्चों से बार-बार 'ऐसा नहीं करो' कहना उनकी सर्जनात्मक क्षमता को चकनाचूर कर देता है। अभिभावक बच्चों को रोबोट की तरह चलाना चाह रहे हैं जो असंभव है। तीसरा गुण है बच्चे का अत्यधिक जिज्ञासु या सृजनशील होना। नया सृजन करना बच्चे का स्वभाव है। वह हर चीज में नयापन खोजता है। अभिभावकों से ऊल-जलूल प्रश्न करता है। उस पर खीझने या क्रोधित होने के बजाय अभिभावकों को चाहिए कि वे उसकी जिज्ञासा शांत करें। उसे सृजनशील बनाए रखने रहने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। बच्चों को छूट देने का यह अर्थ नहीं कि अनुशासन न सिखाया जाए। अनुशासन जरूरी है, पर बच्चे को हानिरहित गलतियां करने देना चाहिए। उन्हें किताबों के बाहर की किताबों को भी पढ़ने देया जाना चाहिए। जीवन में खुशियों को अव्वल आने के लिए बच्चों को खेलने-कूदने दें।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य
शैक्षिक स्तंभकार मलोट

स्पोर्ट्स डे के द्वारा लॉ स्टूडेंट्स को स्वास्थ्य एवं फिटनेस के लिए किया जागरूक

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री भवानी निकेतन लॉ कॉलेज के स्पोर्ट्स डे के कार्यक्रम में कॉलेज प्रिंसिपल संजय शर्मा एवं वाइस प्रिंसिपल प्रिंसी राठौर के नेतृत्व में सभी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम के मौके पर सभी विद्यार्थियों के लिए इंडोर एवं आउटडोर गेम्स की प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सभी स्टूडेंट्स ने कॉलेज प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए स्पोर्ट्स डे के द्वारा स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूक करने के लिए एक अहम कदम बताया।

राजस्थान संगीत संस्थान में खेल सप्ताह का आयोजन

प्रथम दिन कैरम और छात्र छात्राओं की 100 मीटर रेस आयोजित की गई। रेस में छात्राओं में मनीषा शेखावत प्रथम ,कशिश भारद्वाज द्वितीय रही। छात्र रेस में अनन्त शर्मा प्रथम व अरुण सैनी द्वितीय रहे।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान संगीत संस्थान जयपुर में चल रहे खेल सप्ताह के अंतर्गत 100 मीटर रेस व कैरम प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. डॉ अरविंद मंडोला ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और फिटनेस के लिए खेल कूद गतिविधियां आवश्यक हैं। इस अवसर पर प्रो.विजेंद्र गौतम, प्रो.सीमा सक्सेना ,प्रो. शिवा व्यास , प्रो.सुनीता श्रीमाली ,डॉ. गौरव जैन ,डॉ. वन्दना खुराना उपस्थित रहे। प्रथम दिन कैरम और छात्र छात्राओं की 100 मीटर रेस आयोजित की गई। रेस में छात्राओं में मनीषा शेखावत प्रथम ,कशिश भारद्वाज द्वितीय रही। छात्र रेस में अनन्त शर्मा प्रथम व अरुण सैनी द्वितीय रहे। कैरम में तान्या जलवानिया व अरुण सैनी की टीम विजयी रहे। आगामी खेलों में कबड्डी, शतरंज, रस्साकाशी ,खो खो प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा जीव एवं मानव सेवा

अमित गोधा। शाबाश इंडिया

ब्यावर। सबकी सेवा सबको प्यार और जियो और जीने दो के सिद्धांत पर सेवा कार्यों में अग्रणी महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर द्वारा आज जैन दादाबाड़ी में स्थित पक्षी घर में पक्षियों के लिए दाना एवं महावीर अन्न क्षेत्र में निर्धन व्यक्तियों हेतु भोजन सेवा की गई। तेजेश डुंगरवाल,रोहित मुथा के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन विजयलक्ष्मी , सुमित , अमित दक परिवार द्वारा दिलीप दक के जन्मदिवस के उपलक्ष में किया गया। उन्होंने सभी को सेवा कार्यों के साथ अपने विशेष प्रसंगो को मनाने की प्रेरणा दी। सुरेन्द्र रांका, पुष्पेन्द्र चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अशोक पालडेचा, दिलीप दक, बाबुलाल आच्छा, योगेंद्र मेहता, अभिषेक नाहटा, रोहित मुथा, जितेन्द्र धारीवाल, राहुल बाबेल, रूपेश कोठारी, सुरेन्द्र रांका, पुष्पेन्द्र चौधरी, तेजेश डुंगरवाल आदि उपस्थित रहे।

प्रथम पुण्यतिथि

हमारे पूज्यनीय

श्री ज्ञानचंद जी लोढ़ा

सुपुत्र स्व. श्री हीराचंद जी लोढ़ा (केकड़ी वाले)

"आपका निष्ठामय जीवन, कठिन परिश्रम, मिलनसारिता हमेशा अनुकरणीय रहेगी। आपका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद ही हमारा संबल है।"

आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन् एंव **भावपूर्ण श्रद्धांजलि** अर्पित करते है।

श्रद्धावनत

समस्त लोढ़ा परिवार

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आत्मचिंतन करने पर ही सार्थक बनेगा हमारा जीवन-साध्वी दिव्यप्रभाजी म.सा.

कषायों का त्याग किए बिना जीवन में नहीं आएंगे सकारात्मक बदलाव-साध्वी निरूपमाजी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हमे दूसरों की तरफ देखने से पहले अपनी आत्मा के भीतर झांकना चाहिए। आत्मचिंतन करने पर ही जीवन की सार्थकता होगी। हम अपनी कमियां सुधारे बिना समाज ओर राष्ट्र को नहीं सुधार सकते है। धर्म शरीर के लिए नहीं आत्मा के लिए होता है। धर्म करने से हमारी आत्मा पावन एवं निर्मल बनती है। दया में ही धर्म समाहित है। धर्म हर कोई नहीं कर सकता। धर्म की साधना वहीं कर सकता जिसके पुण्य प्रबल हो। जीवन को पावन बनाने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार धर्मध्यान अवश्य करना चाहिए। ये विचार बुधवार को बापूनगर जैन स्थानक महावीर भवन में आयोजित धर्मसभा में शासन प्रभाविका अध्यात्म योगिनी महासाध्वी कुसुमवतीजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी उपप्रवर्तिनी डॉ. श्री दिव्यप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। कपासन चातुर्मास सम्पन्न करने के बाद विहार यात्रा के तहत भीलवाड़ा पधारे साध्वी दिव्यप्रभाजी म.सा. ने कहा कि धर्म से जुड़े बिना जन्म-जन्मांतर से मुक्ति नहीं मिल सकती। हमे धर्म किसी ओर के लिए नहीं अपने भविष्य की रक्षा के लिए करना है। हमेशा मन में सेवा भाव रखना चाहिए। हम सेवा करेंगे तो भविष्य में हमारी भी कोई सेवा करेगा। उन्होंने कहा कि पुण्य के रास्ते पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। खुद पर हमेशा विश्वास रखेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। आत्मविश्वास सिद्धि पाने का मार्ग है। हमे स्वयं पर विश्वास होता है तो तप साधना भी सहजता से पूर्ण कर सकते है। धर्मसभा में साध्वी निरूपमाजी म.सा. ने कहा कि जीवन में भगवान को मनाने पर सुख,शांति, समृद्धि सब कुछ प्राप्त होगा लेकिन भगवान को भूल जाएंगे तो दुःख ही मिलेगा। हम भगवान की बातों को अनसुना कर देते है जिसके कारण पीड़ा ओर समस्या मिलती है। उन्होंने कहा कि भगवान हमे राग,द्वेष, अभिमान, मोह आदि कषाय छोड़ने के लिए कहते है लेकिन हम उन्हें नहीं छोड़ पाते है इसीलिए जीवन में सकारात्मक बदलाव नहीं हो पाता है। जीवन में बदलाव के बिना मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती। सही मार्ग पर चलकर भगवान की बात मानने पर ही हम अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकते है। धर्मसभा में साध्वी आर्याश्रीजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में मौजूद श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत एवं संचालन बापूनगर श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्लोत ने किया। धर्मसभा में बापूनगर श्रीसंघ के संरक्षक लादूलाल बोहरा, अध्यक्ष कमलेश मुणोत, महामंत्री दलपत सेठ सहित कई श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे। दोपहर में भी कई श्रावक-श्राविकाएं साध्वीवृन्द के दर्शन व धर्मचर्चा के लिए पहुंचते रहे। महासाध्वी दिव्यप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के 11 जनवरी गुरूवार को मंगल प्रवचन सुबह 9 बजे से बापूनगर जैन स्थानक में ही होंगे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का गांधी पार्क पर एलईडी से होगा प्रसारण

22 जनवरी को श्री राम मन्दिर प्रतिष्ठा पर जैन समाज करेगा आयोजन। विश्व हिन्दू परिषद ने प्राण प्रतिष्ठा हेतु जैन समाज को दिया निमंत्रण

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

पाच सौ वर्षों बाद प्रभु श्री राम अपने मूल स्थान पर विराजमान होंगे इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए जैन समाज गांधी पार्क पर भव्य समारोह का आयोजन करेगा । इस दौरान पांचकुंट लड्डुओं का वितरण जनता जनार्दन माता बहनो को श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में किया जायेगा उक्त आशय केउद्गार जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल ने सुभाष गंज मैन मन्दिर में व्यक्त किए। इसके पहले विश्व हिन्दू परिषद मध्य प्रांत धार्मिक आयोजन समिति के महामंत्री डॉ दीपक मिश्रा, जिला अध्यक्ष दिनेश मैदापुर श्री राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण देने पहुंचे। विश्व हिन्दू परिषद ने जैन समाज को महा महोत्सव का निमंत्रण सौंपा।

बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टाफ सोसाइटी का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अपने समय के प्रतिष्ठित ''बैंक ऑफ राजस्थान'' की ''बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टाफ सोसाइटी'' का नववर्ष पर स्नेहमिलन समारोह अजमेर रोड पर एक निजी होटल में मनाया गया। सोसायटी के राष्ट्रीय महासचिव विजय कुमार गर्ग ने अपने सहकर्मियों के लाभार्थ पेंशन समझौते और चिकित्सा सुविधाओं संबंधी वार्ता प्रगति के बारे में अवगत कराया व बंधन म्युचुअल फंड विशेषज्ञ राजेंद्र सांघी व आलोक शर्मा ने बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों को म्युचुअल फंड के द्वारा बचत, वित्तीय अनुशासन और सुरक्षित निवेश के मंत्र साझा किए। सांस्कृतिक सचिव लोकेश शर्मा ने बताया कि समारोह में नये सदस्यों व जनवरी में आने वाले जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगाँठ वाले सदस्यों का सम्मान राष्ट्रीय अध्यक्ष नरसिंह गुप्ता, पूर्व महामंत्री राधेश्याम परवाल व जे ऐन कूलवाल ने किया। कार्यक्रम में सुदर्शन गुप्ता,दिनेश मेहता,हेमंत गुप्ता नीरज कुलश्रेष्ठ व सी बी गर्ग ने अपने गीतों व गजलों की प्रस्तुति से समारोह में समां बांध दिया। सोसाइटी के जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष महेन्द्र बैराठी ने सभी का आभार जताया व कार्यक्रम का संचालन सचिव श्याम बिहारी गुप्ता ने किया।

उदयपुर टेल्स का 5वां संस्करण

कल से तीन दिन लेकसिटी में सजेगी देश दुनियां के कहानीकारों की रूमानी महफिल

उदयपुर. शाबाश इंडिया

उदयपुर टेल्स की ओर से तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय स्टोरी फेस्टिवल का 5 वें संस्करण का आगाज 12 जनवरी को शिल्पग्राम रोड़ स्थित पार्क एक्सोटिका रिसोर्ट में होगा। इस संस्करण में मंत्रमुग्ध कर देने वाली रोचक और मजेदार कहानियों को बुनने और कहानी कहने की परंपराओं का जश्न मनाया जाएगा। इस साल पहली बार मुशीर्दाबाद की मल्लिका आकार और गुलाम फकीर एक अलहदा अंदाज में कहानी बयानगी का प्रदर्शन करेंगे। उदयपुर टेल्स की सह संस्थापक सुष्मिता सिंघा ने बताया कि इस 3 दिवसीय उत्सव में समकालीन, रहस्य रोमांस, ऐतिहासिक, हॉरर, थ्रिलर के अलावा कावड़ और लोक शैलियों जैसी विविध कहानियों का अनूठा मिश्रण आमजन को अंत तक जोड़े रखेगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पहली बार कहानी की तीन केटेगरी दास्तानगोई, आधुनिक एवं लोककला के श्रेष्ठ कहानीकारों को सम्मानित किया जायेगा। इस महोत्सव में प्रखर थिएटर कलाकार और फिल्म एवं टीवी अभिनेता मीता वशिष्ठ, स्पेन की एक ब्रिटिश-बेल्जियम कथाकार रेबेका लेमेयर, रहस्यमय, भौगोलिक और ऐतिहासिक खोजों पर अपने शोध के आधार पर कहानियाँ गढ़ने के लिए प्रसिद्ध निर्देशक और फिल्म निमार्ता गौतम अग्रवाल, मौखिक कहानी कहने की 13वीं सदी की उर्दू कला, दास्तानगोई के प्रदर्शन में माहिर सैयद साहिल आगा कथन का अलग जादू जगाएंगे। इनके साथ समकालीन और मूल कहानियों को प्रस्तुत करने के लिए प्रसिद्ध उल्का मयूर देश के कुछ कावड़ कथाकारों में से एक अक्षय गांधी, और बेंगलुरु की बहु-प्रतिभाशाली कलाकार अंजना चांडक भी कहानी कला की बानगी पेश करेंगे। उदयपुर टेल्स के संस्थापक सलिल भण्डारी ने बताया कि समारोह के दौरान मंडला घुमाते हुए पवित्र नृत्यों सूफी और गुरजिएफ नृत्य प्रस्तुत करने और सिखाने वाली एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार जिया नाथ, लोक फ्यूजन बैंड, लीक से हटकर, उदयपुर जेल के कैदियों का एक शानदार सूफी संगीत समूह युगम अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। सलिल भंडारी ने कहा कि उदयपुर टेल्स इस समृद्ध परंपरा को जारी रखते हुए एक वैश्विक मंच की पेशकश कर रहा है जहां नवोदित कहानीकार भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकते हैं। उत्सव का मुख्य आकर्षण जीवंत बाजार और जामघाट क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जिसमें प्रसिद्ध ब्रांडों और कलाकारों के स्टालों की एक श्रृंखला होगी। प्रतिभागियों में नेहा काबरा की माटी, दृष्टि भट्ट की नॉट सो इजी, बोगेनविले आर्ट गैलरी, कृति मनन नाहर की फिकरी और बेजो, माहरू सिल्वर ज्वेलरी, पटोला साड़ी, रियास जयपुर और कई अन्य प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

लॉयंस प्रांत 3233 ई -2 का मेगा ईवेंट ''मिलाप-2024'' स्पोर्ट्स कार्निवल 12 से

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब अंतरराष्ट्रीय प्रांत 3233 ई- 2 की ओर से 3 दिवसीय मिलाप - 2024 गेम्स कार्निवाल का आयोजन भूपाल नोबल्स क्रिकेट ग्राउंड व इनडोर स्टेडियम में 12 से 14 जनवरी को होगा। कार्निवल में डिस्ट्रिक्ट के 200 क्लब पदाधिकारी और सदस्यों में से चुने 14 टीमों के खिलाड़ी क्रिकेट, बैडमिंटन, चेस, कैरम, अंताक्षरी, गायन व तंबोला में भागीदारी निभाएंगे। गौरतलब है कि इनमें 2 टीमें महिलाओं की भी होंगी। मिलाप -2024 के संयोजक पूर्व प्रांतपाल अनिल नाहर, प्रांतीय स्पोर्ट्स चेयरपर्सन राजेश शर्मा और क्रिकेट संयोजक नितिन शुक्ला ने बताया कि 12 जनवरी सुबह 8.30 बजे दीप प्रज्वलन के साथ बी.एन. ग्राउंड पर क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। सभी क्रिकेट मैच टेनिस बॉल से लीग मैच नियम आधार पर 10-10 ओवर के खेले जाएंगे। उन्होंने बताया कि क्रिकेट उद्घाटन के साथ ही लायंस काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष वी.के. लड़िया के मुख्य आतिथ्य एवं प्रांतपाल डॉ. संजीव जैन की अध्यक्षता में इसी दिन सुबह 10 बजे लायन्स गेट कांफ्रेंस - ग्लोबल एक्शन टीम आयोजन को राष्ट्रीय लीडर सम्बोधित करेंगे। बता दें, कांफ्रेंस में आधे राजस्थान और एमपी के कुछ हिस्सों समेत 21 जिलों में फैले प्रान्त 3233 ई -2 के लॉयन लीडर सम्मिलित होंगे। इसके लिए लायन निशांत जैन को संयोजक बनाया गया है। इस आशय की विस्तृत जानकारी बुधवार को पत्रकार वार्ता में साझा करते संजीव जैन ने बताया कि 13 जनवरी को मिलाप - 2024 का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम दक, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट और लायंस काउंसिल ऑफ इंडिया अध्यक्ष वी.के. लड़िया द्वारा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि लॉयंस क्लब महाराणा की मेजबानी मे सारे स्पोर्ट्स गतिविधियाँ संचालित होंगी मेजबान क्लब के राजेश शर्मा प्रांतीय स्पोर्ट्स चेयरपर्सन है। महाराणा क्लब की मेजबानी में इंडोर स्टेडियम में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज और कैरम प्रतियोगिताएं होंगी, जिसके लिए के.जी. मूंदड़ा एवं राजेश शर्मा एवं राजीव भारद्वाज को संयोजक बनाया गया है। कुंभा सभागार में अंताक्षरी और गायन प्रतियोगिता की संयोजक पूनम लड़िया होगी। इसी तरह मनोरंजक तंबोला सुधा चोरड़िया के निर्देशन में खेला जायेगा। अंतिम दिन 14 जनवरी को कुंभा सभागार में ही लायंस क्लब उदयपुर की मेजबानी में बहुप्रान्तीय अध्यक्ष रोशनलाल सेठी के मुख्य आतिथ्य में प्रांतीय केबिनेट बैठक होगी। संयोजक अरविन्द रस्तोगी और अध्यक्ष लोकेंद्र कोठारी ने बताया कि बैठक में प्रांत पदाधिकारियों के बीच लीडरशिप, मेम्बरशिप, अचीवमेंट, टार्गेट को लेकर क्षेत्रीय एवं संभागीय पदाधिकारियों द्वारा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी। केबिनेट बैठक के बाद समापन समारोह का आयोजन दोपहर 3 बजे होगा, जिसमें शहर विधायक ताराचंद जैन, जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ओर बहुप्रान्तीय अध्यक्ष रोशनलाल सेठी, बीएन संस्थान के प्रबन्ध निदेशक मोहब्बत सिंह भी शिकरत करेंगे। क्रिकेट की विजेता टीम को ट्रॉफी एवं 15 हजार नकद ओर उपविजेता टीम को ट्रॉफी व 11 हजार नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य प्रतियोगिताओ के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'